

वर्टिब्रोप्लास्टी और काइफोप्लास्टी

यह पृष्ठ मशीन द्वारा अनूदित है और अभी तक किसी चिकित्सक द्वारा जाँचा नहीं गया है। **अंग्रेज़ी संस्करण** ही आधिकारिक है।

रिकवरी एक नज़र में। 40 प्रकाशित अध्ययनों से संकलित — आपके ठीक होने की अपनी गति अलग हो सकती है।

हल्की ड्यूटी डेस्क का काम, ड्राइविंग, दैनिक कार्य	अधिकांश दैनिक गतिविधियाँ शारीरिक कार्य, खेल, जिम	अंतिम परिणाम का स्थिर होना दर्द और शक्ति
1 week मरीजों को आमतौर पर प्रक्रिया के बाद पहले ही दिन चलने-फिरने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।	—	—

यह ऑपरेशन क्यों सुझाया गया है

वर्टिब्रोप्लास्टी और काइफोप्लास्टी पीठ के बीच और निचले हिस्से में दबाव से हुए दर्दनाक फ्रैक्चर (कम्प्रेशन फ्रैक्चर) के लिए की जाने वाली छोटे चीरे वाली प्रक्रियाएं हैं। रीढ़ को बनाने वाली कड़ियों में से एक, यानी दरार पड़ी कशेरुका के मुख्य हिस्से (वर्टिब्रल बॉडी) के अंदर बोन सीमेंट भरा जाता है, ताकि उसे स्थिर किया जा सके और दर्द कम हो। वर्टिब्रोप्लास्टी में सीमेंट सीधे इंजेक्ट किया जाता है। काइफोप्लास्टी में पहले हड्डी के अंदर एक छोटी सी जगह बनाई जाती है, फिर उसे भरा जाता है।

हम आमतौर पर ये ऑपरेशन तब सुझाते हैं जब बिना ऑपरेशन वाले इलाज से पर्याप्त सुधार न होने के बाद भी फ्रैक्चर में दर्द बना रहता है। उस इलाज में आराम, ब्रेस, दर्द निवारक दवाएं और धीरे-धीरे फिर से चलना-फिरना शुरू करना शामिल हो सकता है। अगर फ्रैक्चर अस्थिर है या नर्व (तंत्रिका) पर दबाव डाल रहा है, तो कुछ लोगों की सर्जरी जल्दी की जाती है।

इसका मकसद दर्द से राहत देना और आपको फिर से चलने-फिरने लायक बनाना है। ऑस्टियोपोरोसिस वाले फ्रैक्चर, यानी पतली और कमज़ोर हड्डी के कारण हुए फ्रैक्चर वाले लगभग 90% लोगों को वर्टिब्रोप्लास्टी से जल्दी दर्द से राहत मिलती है। दोनों प्रक्रियाएं सिर्फ बिना ऑपरेशन वाले इलाज की तुलना में दर्द को जल्दी कम कर सकती हैं और चलना-फिरना जल्दी वापस ला सकती हैं।

ऑपरेशन से पहले

आपकी प्रक्रिया की योजना बनाने से पहले आपकी कुछ जांचें (इमेजिंग) करानी होंगी। इनमें एक्स-रे, एमआरआई स्कैन या सीटी स्कैन शामिल हो सकते हैं। इन स्कैनों से फ्रैक्चर की पुष्टि होती है और हमें टूटी हड्डी का आकार दिखता है। हर सीमेंट वाली प्रक्रिया से पहले हम हड्डी के ऊतक का एक छोटा सा नमूना भी लेते हैं, जिसे बायोप्सी कहते हैं। इससे हमें यह पक्का करने में मदद मिलती है कि हम किस चीज़ का इलाज कर रहे हैं।

सर्जरी से पहले के दिनों में, अपनी सामान्य दवाएं लेते रहें, जब तक कि हम आपको कुछ और न कहें। आपको ऑपरेशन से सात घंटे पहले खाना-पीना बंद करना होगा। हम सात घंटे इसलिए कहते हैं ताकि अगर ऑपरेशन थिएटर की सूची जल्दी चल रही हो, तो हम आपका ऑपरेशन पहले कर सकें। ऑपरेशन के बाद आपको घर ले जाने के लिए किसी को गाड़ी चलाने का इंतज़ाम कर लें। ढीले, आरामदायक कपड़े पहनें और अपनी मौजूदा दवाओं की सूची साथ लाएं। अगर आपको दूसरी स्वास्थ्य समस्याएं हैं, तो आपको खून की जांच करानी पड़ सकती है या एनेस्थेतिस्ट (बेहोशी के डॉक्टर), यानी वह डॉक्टर जो आपको एनेस्थीसिया देते हैं, से जांच करानी पड़ सकती है।

ऑपरेशन के दिन

आप अस्पताल की सर्जिकल भर्ती यूनिट में पहुंचेंगे, जहां आपकी भर्ती की जाएगी और आपको ऑपरेशन थिएटर के लिए तैयार किया जाएगा। फिर आप एनेस्थेतिस्ट से मिलेंगे, यानी वह डॉक्टर जो आपको एनेस्थीसिया देते हैं। यह ऑपरेशन जनरल एनेस्थीसिया (जिसमें आप पूरी तरह बेहोश रहते हैं) में किया जाता है। ऑपरेशन के बाद दर्द से राहत के लिए कभी-कभी साथ में एक रीजनल नर्व ब्लॉक (किसी हिस्से को सुन्न करने का इंजेक्शन) भी दिया जाता है; एनेस्थेतिस्ट उसी दिन आपसे इस बारे में बात करेंगे।

फिर आपको ऑपरेशन थिएटर में ले जाया जाता है, जहां ऑपरेशन किया जाता है। उसके बाद, आप रिकवरी एरिया में जागते हैं, जहां एनेस्थीसिया का असर खत्म होने तक नर्स आप पर नज़र रखती हैं। जब आपकी हालत स्थिर हो जाती है, तो प्रक्रिया और आपकी रिकवरी के आधार पर आप या तो वार्ड में जाते हैं या घर चले जाते हैं।

ऑपरेशन में क्या किया जाता है

वर्टिब्रोप्लास्टी और काइफोप्लास्टी, दोनों ही छोटे छेद से की जाने वाली (कीहोल) प्रक्रियाएं हैं, जो आपकी पीठ में टूटी हड्डी के ऊपर एक छोटे से चीरे से की जाती हैं। आपके सर्जन एक्स-रे की मदद से काम करते हैं, ताकि उपकरण रीढ़ के अंदर सही जगह तक पहुंचें।

वर्टिब्रोप्लास्टी में, दरार पड़ी कशेरुका के मुख्य हिस्से को स्थिर करने के लिए बोन सीमेंट सीधे उसमें भरा जाता है। काइफोप्लास्टी में, आपके सर्जन सीमेंट भरने से पहले हड्डी के अंदर एक छोटी सी जगह बनाते हैं, अक्सर एक नन्हे गुब्बारे की मदद से, जिसे फुलाया जाता है और फिर निकाल लिया जाता है। उसके बाद उस जगह को सीमेंट से भरा जाता है। सीमेंट हड्डी के अंदर मज़बूती से जम जाता है और फ्रैक्चर को अंदर से थामे रखता है।

चीरे को टांकों से बंद किया जाता है और उस पर ड्रेसिंग (घाव की पट्टी) लगाई जाती है। क्योंकि यह प्रक्रिया इतने छोटे छेद से की जाती है, इसलिए भरने के लिए कोई बड़ा चीरा नहीं होता।

क्या समस्याएं हो सकती हैं

ये प्रक्रियाएं आमतौर पर सुरक्षित हैं, और जटिलताएं (कॉम्प्लिकेशन) अपेक्षाकृत कम होती हैं। सबसे आम जटिलता है सीमेंट का टूटी हड्डी से थोड़ा बाहर रिस जाना। यह काइफोप्लास्टी की तुलना में वर्टिब्रोप्लास्टी में ज़्यादा होता है, और तब ज़्यादा होता है जब फ्रैक्चर पतली हड्डी की बजाय फैले हुए कैंसर के कारण हुआ हो। ज़्यादातर रिसाव से कोई भी लक्षण नहीं होता।

रीढ़ के किसी भी ऑपरेशन में कुछ सामान्य जोखिम होते हैं, जिनमें संक्रमण (इन्फेक्शन), खून बहना और एनेस्थीसिया से होने वाली प्रतिक्रियाएं शामिल हैं। बाद में पास वाली किसी कशेरुका में नया फ्रैक्चर होने की भी थोड़ी संभावना होती है। नए फ्रैक्चर के पीछे सबसे बड़े कारण ये हैं कि आपकी हड्डी कितनी पतली है और क्या फ्रैक्चर वाली जगह पर रीढ़ आगे की ओर झुकी रहती है। बिना ऑपरेशन वाले इलाज की तुलना में, इनमें से कोई प्रक्रिया करवाने से रीढ़ के दूसरे स्तरों (दूसरी कशेरुकाओं) में फ्रैक्चर का जोखिम नहीं बढ़ता।

आपके कोई भी फैसला लेने से पहले हम इन सभी जोखिमों के बारे में आपसे बात करेंगे, और आप किसी भी समय सवाल पूछ सकते हैं। अगर आप विस्तार से जानना चाहते हैं, तो इस पेज पर जटिलताओं वाली तालिका में सामान्य दरें दी गई हैं।

ऑपरेशन के बाद

आप रिकवरी एरिया में जायेंगे, जहां एनेस्थीसिया का असर खत्म होने तक नर्स आप पर नज़र रखती हैं। दर्द से राहत आपकी देखभाल की योजना का हिस्सा है, और जब तक सीमेंट जमता है और आपकी पीठ का छोटा चीरा भरना शुरू होता है, हम आपको आराम में रखेंगे। ज्यादातर लोग प्रक्रिया के कुछ ही समय बाद, अक्सर उसी दिन, उठकर चलने-फिरने लगते हैं। घर पहुंचने के बाद पहले 24 घंटे किसी को आपके साथ रहना चाहिए। आपकी टीम आपको बताएगी कि आप उसी दिन घर जाएंगे या एक रात अस्पताल में रुकेंगे। हम ड्रेसिंग को लगभग 10 दिन तक लगी रहने देते हैं; कृपया उससे पहले इसे न हटाएं, जब तक कि हम आपको ऐसा करने को न कहें। जब हम आपसे मिलते हैं, तब हम इसे बदलते हैं या हटा देते हैं।

ठीक होने की प्रक्रिया

ज्यादातर लोग प्रक्रिया के कुछ ही समय बाद, अक्सर उसी दिन, उठकर चलने-फिरने लगते हैं। आपकी पीठ का छोटा चीरा कुछ दिनों तक छूने पर दुख सकता है। उस जगह के आसपास थोड़ा नीला पड़ना (चोट का नीला निशान) सामान्य है और यह अपने-आप ठीक हो जाता है। साधारण दर्द निवारक दवाएं और थोड़ी देर की हल्की सैर मदद करती हैं। ड्रेसिंग को सूखा रखें और लगभग 10 दिन तक लगी रहने दें; जब हम आपसे मिलेंगे, तब हम इसे बदलेंगे या हटा देंगे।

शुरुआती दिनों में आप घर के अंदर थोड़ी-थोड़ी देर चलेंगे और ज़रूरत के हिसाब से आराम करेंगे। आपके फिजियोथेरेपिस्ट हल्के-फुल्के व्यायाम में आपका मार्गदर्शन करेंगे और आपकी सहजता के अनुसार इसे धीरे-धीरे बढ़ाएंगे। आप जिस भी करवट या स्थिति में आराम महसूस करें, उसमें सो सकते हैं। भारी सामान उठाने, झुकने और शरीर को मरोड़ने से तब तक बचें, जब तक हम आपको न बताएं कि ये सुरक्षित हैं। दर्द शांत हो जाने के बाद, खाना बनाने और नहाने जैसे रोज़मर्रा के काम आसान हो जाते हैं।

सीमेंट ऑपरेशन के दौरान ही हड्डी के अंदर जम जाता है, इसलिए फ्रैक्चर तुरंत अंदर से स्थिर हो जाता है। जैसे-जैसे आपका दर्द कम होगा, आप पाएंगे कि आप ज्यादा देर तक खड़े रह सकते हैं और चल सकते हैं। अपनी सामान्य गतिविधियों में वापसी चरणों में होती है, और जैसे-जैसे आप हर चरण तक पहुंचेंगे, आपके अपने सर्जन आपको उसकी अनुमति देंगे। गाड़ी चलाने के लिए ज़रूरी बातें ये हैं: आप तेज़ दर्द निवारक दवाएं लेना बंद कर चुके हों, आप सफ़र की पूरी अवधि तक ड्राइविंग की स्थिति में ऐसे दर्द के बिना बैठ सकें जो आपका ध्यान भटकाए, आप शीशे और ब्लाइंड स्पॉट देखने के लिए पर्याप्त रूप से मुड़ और घूम सकें, और आप बिना हिचकिचाए ज़ोर से ब्रेक लगा सकें। अगर आपको पीठ का ब्रेस या हिलने-डुलने पर पाबंदियां दी गई हैं, तो पहले उनका पालन करें।

ठीक होने की रफ़्तार हर व्यक्ति में अलग होती है। आपकी समय-सीमा अलग हो सकती है, और हर फॉलो-अप जांच में आपके सर्जन और फिजियोथेरेपिस्ट आपका मार्गदर्शन करेंगे।

हमें कब फ़ोन करें

अगर आपको बुखार हो, या आपकी पीठ के छोटे चीरे के आसपास की त्वचा में लाली या सूजन बढ़ जाए या उसमें से तरल रिसने लगे, तो हमें फ़ोन करें। अगर आपको नया दर्द, सुन्नपन या कमज़ोरी महसूस हो, या आपके फ्रैक्चर का दर्द अचानक बहुत बढ़ जाए, तो हमें फ़ोन करें। अगर दर्द वापस आ जाए या आपकी रीढ़ पहले से ज़्यादा आगे की ओर झुकती लगे, तब भी हमें फ़ोन करें, क्योंकि इसका मतलब हो सकता है कि इलाज की गई हड्डी फिर से दब गई है और वापस लाई गई ऊंचाई का कुछ हिस्सा खो चुकी है। अपनी अगली फॉलो-अप जांच का इंतज़ार करने की बजाय क्लिनिक से संपर्क करें। अगर आपको पिंगली में सूजन या दर्द, सांस फूलना, सीने में दर्द, पैरों में महसूस होना बंद हो जाना (संवेदना खत्म होना), या पैरों को हिलाने में परेशानी हो, तो इमरजेंसी विभाग जाएं। इन लक्षणों की तुरंत जांच ज़रूरी है।

वर्टिब्रोप्लास्टी और काइफोप्लास्टी

प्रकाशित साहित्य से जटिलता दर

40 प्रकाशित अध्ययनों से संकलित। ये पूरी आबादी के स्तर की दरें हैं, आपका व्यक्तिगत जोखिम नहीं — आप पर क्या लागू होता है, इस बारे में आपके सर्जन आपसे बात करेंगे।

जटिलता	रिपोर्ट की गई दर	नोट्स
सीमेंट का रिसाव	—	ऑस्टियोपोरोसिस वाली बीमारी की तुलना में उन मरीजों में ज़्यादा आम है जिनमें कैंसर फैल चुका है (मेटास्टेटिक बीमारी); जटिलताएं आमतौर पर अपेक्षाकृत कम होती हैं।
पास वाली कशेरुका (वर्टिब्रा) का फ्रैक्चर	—	3 साल पर, वर्टिब्रोप्लास्टी की तुलना में परक्यूटेनियस काइफोप्लास्टी वाले समूह में इसकी दर काफी ज़्यादा थी; जोखिम के कारकों में पहले फ्रैक्चर हो चुका होना और उम्र शामिल हैं।
कशेरुका का फिर से दब जाना (रीकोलैप्स)	—	रूमेटॉइड आर्थराइटिस वाले मरीजों में अपेक्षाकृत अक्सर पाया गया; 3 साल पर, काइफोप्लास्टी की तुलना में वर्टिब्रोप्लास्टी वाले समूह में इसकी दर काफी कम थी।
रेडिकुलोपैथी (नर्व की जड़ की समस्या)	—	देर से शुरू होने वाली रेडिकुलोपैथी निचले प्रकार के फ्रैक्चर और कशेरुका के टूटे हुए पिछले किनारे से जुड़ी है, और यह संभवतः गुब्बारा फुलाने के दौरान पीछे की ओर धकेले गए हड्डी के टुकड़ों के कारण होती है।
काइफोसिस (रीढ़ का आगे की ओर झुकाव) का बढ़ना	—	वर्टिब्रोप्लास्टी बिना ऑपरेशन वाले इलाज की तुलना में काइफोसिस को बढ़ने से ज़्यादा असरदार तरीके से रोकती है; 3 साल पर, वर्टिब्रोप्लास्टी वाले समूह में स्थानीय काइफोसिस की दर काफी कम थी।
दूसरा (नया) फ्रैक्चर	—	परक्यूटेनियस वर्टिब्रोप्लास्टी के बाद, यह पहले और फ्रैक्चर हो चुके होने (ऑड्स रेशियो 6.37) और उम्र (ऑड्स रेशियो 1.16) से काफी हद तक जुड़ा पाया गया।
गंभीर दबाव वाले फ्रैक्चर में जटिलताओं की ऊंची दर	—	ऑस्टियोपोरोसिस के कारण कशेरुका के दबाव वाले फ्रैक्चर के उन मरीजों में जटिलताओं की दर ऊंची थी, जिनके आगे के किनारे पर गंभीर दबाव और काइफोसिस था और जिनका इलाज सिर्फ परक्यूटेनियस वर्टिब्रोप्लास्टी से किया गया।

मैंने यह जानकारी पढ़ ली है और मुझे डॉ. हिरपरा से इस प्रक्रिया, इसके बाद अपेक्षित रिकवरी और ऊपर दी गई जटिलताओं के बारे में सवाल पूछने का अवसर मिला है।

रोगी — नाम (साफ़ अक्षरों में)

हस्ताक्षर

तिथि